Roll No. ..... Total Pages: 04

1507

B.Ed. (Part-I) Examination, 2018

PEDAGOGY OF SANSKRIT

Paper – V & VI

Time: Three Hours
Maximum Marks: 80

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 30]*

Answer five questions (250 words each)

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any three questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **तीन** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–'अ'

प्र.1 (i) कोई 4 शिक्षण सूत्रों के नाम बताइये।

(ii) वाच्य कितने प्रकार के होतें हैं। प्रत्येक का नामोल्लेख करते हुए उदाहरण भी दीजिये।

(iii) संस्कृत भाषा की विशेषतायें लिखिये।

(iv) संस्कृत शिक्षण के कोई पाँच उद्देश्य लिखिये।

(v) श्लोक पाठ करते समय किन–किन सावधानियों की आवश्यकता होती है?

(vi) दैनिक पाठ योजना निर्माण में प्रस्तावना के उद्देश्यों को लिखिये।

(vii) व्याकरण शिक्षण की किन्ही दो विधियों का नामोल्लेख कीजिये।

(viii) नील पत्र तैयार करने के लिए कौन–कौन से आधार होते हैं? नामोल्लेख कीजिये।

(ix) संस्कृत शिक्षण में व्याख्या के कितने अंग होते हैं? नामोल्लेख कीजिये।

(x) भारतीय संविधान की धारा 343 अ में भाषा के विषय में क्या प्रावधान किये गये है? स्पष्ट कीजिये।

खण्ड–'ब'

इकाई – I

प्र.2 विद्यालयों में संस्कृत भाषा के अध्ययन–अध्यापन की गुणात्मक स्थिति पर प्रकाश डालिये।

प्र.3 लोट् लकार एवं लड् लकार में क्या अन्तर हैं? वाक्य रचना द्वारा समझाइये।

इकाई – II

प्र.4 संस्कृत भाषा में उच्चारण सम्बन्धी दोषों को बताइये। उच्चारण एवं लेखन के पारस्परिक प्रभावों का भी उल्लेख कीजिये।

प्र.5 संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत किसी एक प्रकरण का निर्धारण कर विशिष्ट उद्देश्यों का निर्धारण कीजिये तथा छात्रों में होने वाले अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तनों को लिखिये।

इकाई – III

प्र.6 अनुच्छेद लेखन व कथा लेखन का संप्रत्यय स्पष्ट करते हुए इनमें अन्तर बताइये।

प्र.7 पद्य शिक्षण की कौन–कौन सी विधियां हैं? किसी एक विधि की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

इकाई – IV

प्र.8 भाषा सम्बन्धी अधिगम हेतु प्रिण्ट मीडिया छात्रों के लिए कैसे सहायक हो सकता है, विवेचना कीजिये।

प्र.9 संस्कृत शिक्षण में सहायक सामग्री के महत्व को बताइये। अध्यापन के दौरान स्वयं द्वारा प्रयोग की गई सहायक सामग्री का सूचीमय विवरण भी प्रस्तुत कीजिये।

इकाई – V

प्र.10 सतत् एवं समग्र मूल्यांकन से क्या आशय है? स्पष्ट कीजिये।

प्र.11 विविध आधारों पर आत्मनिष्ठ (निबन्धात्मक) एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में अन्तर बताइये।

खण्ड–'स'

प्र.12 निम्न गद्यांश में रेखांकित शब्दों का अर्थ प्रकट करने के लिए आप किन युक्तियों को अपनायेगें। अर्थ सहित स्पष्ट करें।

अथैक दिवसं बोधिसत्वः उद्यानभूमिं गन्तुकामः सारथिमामन्त्र्य 'रथं योजय' इत्साह। सः तथेत्युक्त्वा महार्हभुत्तमरथं सर्वालङ्कारैरलङ्कृत्य कुमुदपत्रवर्णान् चतुरः मङ्गलसिन्धून योजयित्वा बोधिसत्वाय प्रत्यवेदयत्। बोधिसत्वः देवविमानसदृशं रथमधिरूह्य उद्यानाभिमुखोऽगमत्।

प्र.13 संस्कृत शिक्षण के कौन–कौन सिद्धान्त निर्धारित किये गये हैं। विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिये।

प्र.14 इकाई योजना दैनिक पाठ योजना निर्माण हेतु एक आधार तैयार करती है। विवेचना कीजिये।

प्र.15 संस्कृत शिक्षण की पाठशाला विधि और प्रत्यक्ष विधि की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इनमें अन्तर बताइये।

प्र.16 यस्मिन देशे न सम्मानो न प्रीतिर्न च बान्धवाः।

न च विद्यागमः कश्चित न तत्र दिवसं वसेत।।

न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धाः वृद्धाः न ते ये न वदन्ति धर्मम्।

धर्मो न वै यत्र च नस्ति सत्यम् सत्यम् न तत् यत कपटेन युक्तम्।।

ऊपर दिये गये "सुभाषितानि श्लोकछयों को कक्षा 8 (आठवीं) में पढ़ाने के लिए प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरण और मूल्यांकन के सोपानों के आधार पर पाठ योजना बनाइये। आवश्यक अधिगम सामग्री का यथा स्थान उल्लेख करें।